ॐ नमः ...वान्द्र कीर्ति गरुड़ वेताल द्वारा गरुड़ पक्ष द्वारा छोरी हिंगलाज्या

का — भारत ... मेखला सान दुरुक्के दुरु छोरे नजुड़ ———

ॐ नमः गुरु-आगे ... नाई नजर भेत मारै काल भेत मारै तीसा भेत मारै भूत भेत मारै

रै बीसा चा भेत मारै ... भौनी भेत मारै वीर भीवी मान भेत मारै वायु भेत मारै दी

गीनी भेत मारै पल्ला ... मोमद नी भेत मारै तत्पे गुरु न उसा पीड़े वता को वा

चो हि फुरो स्वाहा — ... अरनवे भाल रूपनी हिंदु ———

ॐ नमः गुरु आगे ... पो सी ... फुरो स्वाहा — ... कड़ल माल हि फुरो स्वाहा — चार जाम — २२

भोमद्र भौ ते पाड़ २५

ॐ नमः गुरु वीरा हनुमान उनरसी की हो ग्रापो फुरो मो मन्त्र सार्थ पाये फुरो नरसी हि फु

रो स्वाहा — चार जाम — पर भोमद्र भुलहु तेपा पाड़ु ———

कड़ी की हि हि फुरो स्वाहा — चार जाम — २२ भोमद्र डी द्धा पि ड़ु ———

ॐ सी ची गुरु आगे हनुमान वीर दुरुवा हि फुरो स्वाहा — चार जाम — पर भोमद्र भुनि गुरु

ॐ सी ची गुरु आगे उसपे तत्ति हि फुरो स्वाहा — चार जाम — पर भोमद्र मीन्ना पाड़ु ऊरे पाड़ु

ॐ नमः गुरु आगे भैरव भात दी गन भात हि फुरो स्वाहा — चार जाम भोमद्र चन्द्रा स्थाड़ु पाड़ु ———

ॐ नमः गुरु आगे पेंकाली की काली आगना री वे चम मुक्की ली गउरी पारावती हु स्वरी माहा

देव की हि फुरो स्वाहा — चार जाम — पर भोमद्र सामे पाड़ु ऊरे पाड़ु ———

श्री | शुभम संस्कृति ASHV. ARCHIVES | 710

ध्यानसीकेवालीकुंजनारीयेनमोहाकालीचीरमनगडरीपारवतीमाहादेव
कोवाचाईफुरतस्वाहा-धारजप-२५ओमत्रसाभेयागुरुतारमतपेडीगु

ॐनमगुरुआगमसींदुरीपातफाडभैरुगुरुवाभैतारेनीवाभैवाभैकेवाचागुरुकेवावा
ईफुरतस्वाहा-धारजप-५२ओमत्रश्रीनाडतसाधनेगु

ॐनमसीधीगुरुआअहीगवतीदेवहीतायीननीअमलवसनोनाघेस्वाहा-धारजप-?
ओमत्रवीसतीकाघेगुनवीघागुवसमातलाणातमेरीभीखुतीवोतघेगु

ॐनमगुरुआगमनरथीवीरअगतकुमारीमनडरासीधाजेवंचतुरुमंस्वाहा-धारजप
५२ओमत्रघ्रसीनकोकाघेगु

ॐनमगुरुआगमस्युनतीमिराकताईअमरमारीघ्रंकरमारीदेरमारीभेरमारीको
कसीरानीताईकीनंडारमानीरासनुहनुमानपडतीमताईहनुमानकोताईदेई
लंघुनसीगगुरुकोधारमावानीरासनुहनुमानकोनारतेसाधसमुद्रपाहार
फलतीजोरसताधनगाईघेकरनाबादुईदेतवाचातीनदेतीवाचागुरुकेसीघरीभिरा

मगरातधीमनकेवाचाफलनेवकीवाचाहीफुरतस्वाहा-धारजप ५ओमत्रवीकसी
भीरियाघेगु

ॐनमगुरुआगमरीमरघुमनसेजातामेरीगरभगतीपास्वातीन्देलाचाहोहीहिहिहिफु
रतस्वाहा-धारजप-५२ओमत्रप्रसन्नतीदेवीदानभुमीगुरुरात्रनासगुरुगु

ॐ नमः गुरु आगम अका सका सैद्धि कर्दु गुरुजे परतीत का ती नाग थोरी थोरी माई
पौउ फल हुँ फल्त स्वाहा — धारजाप — पर थोम्न अका सना नाग पाशु मुद्रा रूपे पाय गु —
ॐ नमः गुरु आगम के आगी धार को धार छोरी दोनु के वामा आगी धार को धाया का रूना
धान गुरु हुँ फल्त स्वाहा — धारजाप — २२ थोम्न से लाई हुँने — —
ॐ नमः गुरु आगम श्री लोक नँ थती ला अवी का ती वँवी वँ ती नाथे फल्त स्वाहा —
धोर जाप — पर थोम्न थुकी पेंगु डाकी राज पाना दे न्येतपे गु — —
ॐ नमः गुरु आगम धर्म ति री ला स्तो थौती गुरु हुँ री न का ती माता लाक श्री मान स्तो कु
मा ता वी स्वे छा मा ई कु मा री स्तो मई थ स्व स्तो थोरी गुरु हुँ फल्त स्वाहा — धारजाप — ५
थोम्न श्री वाचु पाशु —
ॐ सी धी गुरु आगम सिन थको माहादे व पार्वती थन डी जीनी गुरु वृद्धार दकी ङीतहा
हुँ फल्त स्वाहा — धारजाप — पर थोम्न मागु रोग पाये गु ऊर्ध्वे —
ॐ नमः गुरु आगम धर्म ति री ला स्तो थौती गुरु हुँ री न का ती माता लाक श्री मान स्तो कु
मा ता वी स्वे छा मा ई कु मा री स्तो मई थ स्व स्तो थोरी गुरु हुँ फल्त स्वाहा — धारजाप — ५
थोम्न श्री वाचु पाशु —
ॐ सी धी गुरु आगम सिन थको माहादे व पार्वती थन डी जीनी गुरु वृद्धार दकी ङीतहा
हुँ फल्त स्वाहा — धारजाप — पर थोम्न मागु रोग पाये गु ऊर्ध्वे —
ॐ नमः गुरु आगम थाली सी थती ला ला कु नी सा पा सी सतु धारा ही रा ना
ऊर्ध्व हुँ री फल्त स्वाहा — धारजाप — पर थोम्न म थातो पेंगु ऊर्ध्व पाये गु —
ॐ अर्द्ध ऊर्ध्व हुँ फल्त स्वाहा — धारजाप — ५३ थोम्न दा फल्पे गु — —
ॐ भैरव रुद्र नमः सक्ल देवाहि से पर वज्र डाकी नी ग्रहा मारी मी टी की की नी री नी टी
सर सर परा इ वो र पेंगु फ कु मा री का ती हुँ फल्त स्वाहा — धार — २२ थोम्न से ती का ती
माइ पेंगु —

आतचात

ॐ नमो ऽस्तु भगवती सीता सीतासीमनी सीतहृदयतस्था - धार - ह्रीं भोमन्त्रमयातत्तरास्त्री

पीनन ऊरे आपाहु —

ॐ नमो गुरु आगम सीता सीता सीतन नी सीतहं फत स्वाहा - धार - १ ओम मंत्र म्हा तत्तरा सर्व पीनन करे प्रा पा रु —

ॐ सीधी गुरु आगम डाकु वापु रहं फत स्वाहा - धार - १२ ओम मंत्र सरा क नैनसा प्रा पे स्तनु —

ॐ नमो गुरु स्वा वा गुरु डरे धर स्माते कैवा या हं फत स्वाहा - धार १३ तूनी क्या पि रु स्तनु

ॐ सीधी ही गुरु आगम श्री गुरु म्या टा ज्ञानम् मु खरी गुरु हं फत स्वाहा - धार ओम मंत्रं ओहे सा

या रु — — —

ॐ सीधी गुरु नागम डा डु त वापु डु त वापु हं फत स्वाहा - धार - १२ सरा क वस्या या रु

ॐ नमो गुरु आगम क्को मो सली काम देवता हं फत स्वाहा - धार ६ ओम मंत्र म्हा ये रु —

ॐ नमो गुरु आगम वात वात मेरे क्ष्णा ल ह स्वर जागृ न्वे ह स्वर जागत स्माते धकी

मीत वीती तोली चम यो वेता धती जागला धार नीम ओवा प्रातो से आजो या हं

फत स्वाहा - धार - १ ओम मंत्र ला धा रु — — — —

ॐ नमो गुरु आगम सदी के वा चा माहा देव के वा या री मत धी मन गुरु को धार दो

री ही नु से स्चमा ता के न कुं हं नं गुरु वा चा हं फत स्वाहा - धार - १२ ओम मंत्र

वा ला ती का ये रु — — — —

ॐ नमो गुरु आगम वी गुरु व के वा ती सींदूर श्री वर डाकिनी नी के कर ता कर कर

मेरा ह स्वरी श्री श्री वज्र डाकिनी नी की जीरण नाथ की वा चा नी से ना मकी

वा चा हं फत स्वाहा - धार - २२ ओम मंत्र मह नी पा रु — — —

ॐ नमो गुरु आणंद तणो तमे तमो तमे मानुं रामीऊ नाई ईडे लीला आदेशे ती डे मरो फुरमान गु
रु केरो तेरी जात फुरतस्याहा — धार — वर मोमन्त्र वसुला तो नामी ग्रह ले घालो गु —
ॐ नमो गुरु आणंद वीछ्रत माता नी छ्रत मी ना ली नती रहे कंतारा नाम धरती फेरु म
रु छ्रप ले श्री गंगा जमुना पार वती ले अने गपार वती ताढाने नी स्मर गरु न
रसी भगा तसुरजमुख आगी नी मुख सुरजो ने अलख मुडेलवा चाडे डे लवा या
ती डेलवा चाडि फुरतस्याहा — धार — वर मोमन्त्र सतु नासपे गुरु धर्माधर्म क्या पुने
ॐ साची दी गुरु आगम वीछ्रत भक्ता मस्ती स्याहा — धार — २ मोमन्त्र गुरु नी घाले गु
रु फेरु न रती मुरछ्रप २ पे २ पे बोडी डीडि फुरतस्याहा — धार — १००० चमत्कारो सी
क या सीण जमे स्त्री नी को सीत्तपे सत्यनाश हुं —
ॐ सी ची गुरु आगम गुरु नी जल गसाणी श्री माली डी ग्रनी वा नी वा ना सी ती चंदे
स्वरी को जोग पाडि फुरतस्याहा — धार — वर मोमन्त्र लत गसी फुरु नासी पजुने गु
लोभा को सीत्तपे सत्यनाश हुं
ॐ तो तो तोडी डी स्याहा ॐ पगल राम चंद्र को वानो डो वीर आडे ड अंगरा धरनु
तो गरुड ह फुरतस्याहा — धार — २ मोमन्त्र मुसा नपाक सी नाकुल फासी पजुने गु
डे सीत्तपे गुरु सत्यनाश गुरु
अडवन को स्याहा — धार — व मोमन्त्र कुलहरे गु कुलसा पाप्पे गु —
ॐ सी ची गुरु आगम वती मोसती सुडाडि फुरतस्याहा — धार — २ मोमन्त्र गुरु नी घा
ये गुरु डलसा पाप्पे नडुतार मतपे गु —

ॐ नमो गुरु आगम वाल कुमारी तले ही पततरी को सत गुरु वाचा सी द्वीप्रेम मुख्यत

ॐ नमो गुरु आगम वान कुमारी तत्वे ही वततरी को स्वगुरु स्थाना सीद्धी प्रेमे मुस्थतु
गे आज्ञा दीक्षत स्याहा — धार — ३ ओम नमो री प्राम नकुने को नत साधमा धन
स्तना नम स्थेक ज — — —

ॐ नमो गुरु आगम देवको केवा चा गुरु आज्ञास भद्रे वको वा चाहं फत स्वाहा —
धार — ६ व ओम धरि वा ना को हे — —
ॐ नमो गुरु स्तना वा गुरु — उपस्थात को वा चाहं फत स्वाहा — धार — २ व — फ काउने
गुरु को वा चा ओम नमस्तु ताइ आ प्रणे तिने को धार वे फ गा इन — —
ॐ ह्री हुं अमृत वा सेकृत स्वहा — धार — १ ओम नमो स्त्री क्ती पे मुद्रनी पे गु —
ॐ नमो गुरु आगम मातावको ऽ पि मानइ स्वहा — धार — २ व — ऽ पि ग नज्ञाता को स्व
घ नगत्र मंत्रको मुद्रा पतको ऽ पि मन्त्र लीगा ऽ न ऽ गन — —
ॐ न क्ती का मीती का स सीमाता ऽ सीती का मीती फत हुं फत स्वाहा —
धार — ६ — ओम्म मीडान पे नामक प्रा व सी व्हती पे ज — —
ॐ कानी मोक्ष नी नर देही को धरी व से स्याहो — धार ऽ ग — ४२ धाम
पे ऽ गी न्द्र ऽ मेली वर सतीन्द्र ऽ गत मोक्ष नी आप हाइ पनी गन्नु हि फ —
ॐ फुरी वाहि फत स्वाहा — धार — २ ओम्मी ग न्ना तीन्द्र फुरी पा फुकाउने
मंत्र हि —

ॐ सरस्वती हृं फट् स्वाहा - चार डाय - ज्ञान वीधार नूं छे सरस्वती नो
मा न्ये छे चार रो धो नु पु वी दी नु वी छे ध हृं घा ली माहा मे डा स्व ती के मा
वे - खड्ग रन्

ॐ नमः गरु आगम नी वीर रक्षा नी वीर नरसिंग वीर श्री भी वीर माहा वीर
वी सुन्नु वीर सते देवी नो वीर सरस्वती नु पुलु
स्वाहा - चार - ज्ञ्यो मन्त्र छे तुलसी ये गु —
ॐ नमो नु डनी भगवते को को को मोहनी सकल्य कुन धारनु ई फट् स्वा
हा - चार - वर - अपगरन्नु गुरु सार दा मये न गु मन्त्र नी छे ये गु —
ॐ नमः गरु आगम रक्षक ॐ माहा तन्त्र ती का वाचा माहा देव को वाचा ई फट् स्वा
चार - स्व - थो मन्त्र अपगरन्नु थो मन्त्र को गुन अनि गारकार को गन्ध थो मन्त्र
सरवगार नु ई छे —

ॐ ह्रीं वी गरु आगम नी सर्व मन्त्रो माहा वृक्ष वृत्त थेत्र आहं वीर मोड़ की ओं
ठहं फट् स्वाहा - चार - वर धार्मिन्त्र मोहनी सरे गुलसा पाये गु मन्त्र —
ॐ इन्द्र जाल रु थेटी मन्त्र मंत्र महा महावली देवी ॐ नीरत्न वाला नंत वज्रा
हुं नी जनी मी गुरु आगम तहं फट् स्वाहा - चार - ज्ञ्यो मन्त्र पीत सोन्ना
थी डोर नु डा गु आसा मोती थी गुरु नेत्र भक्त तारा नन्त थे ओहे मंत्र नन्तार न थो
गु वने थास्त्र याय गु भोमयन —

ॐ नमः गरु आगम वीत वत्त महा करी वत्त कुल वज्र का माली ई का ली ई फट्

ॐ नमो गुरु आगम वीर वत्त महा करी वत्त कुमार वज्र का माती ई का ती ड़ा ई फ़ट् साहा - धार - २ ओम्त्र ह्रो मोन्क्रेऊ का की मोत्त माहा डाग गड़ा ई भरी राक्षन्कुंधरनु — ई ड़ वीर वीर धार वती जो गे जो पड़ ई फ़त स्वाहा - धार - ३ ओम्त्र वोक सीड़ वी त साधाय गु — — — — —

ॐ तो लो तो ली की तो त तो मुन्नी वार तत्तु वाहा कुमारी ई फ़त स्वाहा - धार - ३ ओ म्त्र पुर सीन्ना मे धाये गु — — — —

ॐ आत्त तड़ा ई फ़त स्वाहा - धार - ५ ओम्त्र मुद्र वीनव गु धाये गु — —

ॐ नमो गुरु आगम धीर वीर हनुमान आगरू ई फ़त स्वाहा - धार - २ ओम्त्र नो क सीमेत डुत साधाये गु — —

ॐ काली वं काली ड़ न २ तिती मत धे २ वं २ लं २ ई ड़ ई ड़ ई फ़त स्वाहा - धार - ३ ओम्त्र फुर सीन्ना मे धाये गु — — — —

ॐ नमो गुरु आगम हीड आमुत वासे कुरु स्वाहा - १ ओम्त्र मंडनी सीन्कती
पे गुडलता नको डीन —

ॐ नमो गुरु आगम नडीवारा पीठि हिंकत स्वाहा - १ ओम्त्र मे त्वो ग्रा गुतार म
तपे गुमाका मी पे गुडु मवी तासा न पो डु मे सा या डु —

ॐ नमो गुरु आगम डाय घी नाव मीत ती स्वाहा डाता कु फु तं हि फत स्वाहा - धार
२८ - ओम्त्र मी सा पा तो मा कु स्पे त पे गोप्प ह मे वन म स्पे डु ती रु मी सा
या पे त मंडनी प्राचे डु —

ॐ नमो गुरु अव धूता न स्वामी गने स्वाहा फन फत स्वाहा - धार - ध्रु ओम्त्र डीने २
मं २ चोरीत स्व वौन म गा गु तोने के वला सत्ता ताप्ता ना तो न मंडु ना पो पी
सी नी नाव नी सन ना प्य पे सा डु सा डु पी के मे वन म त्व कु डु डी ग्रा —
ॐ नमो आगम का तार म गुरु न्को धार वस नेवो डांत र वी नेवा यु को वा यु डु तं
वायु भूत पी सा चा वा न ई ध —

ॐ नमो गुरु फो मो न ॥२॥ ॐ इंद्रो नम ॥२॥ म ध्यो त्तम ॥२॥ म महा पद्मनी
मंसि तं ॥२॥ तेत याप्ते नम ॥२॥ पी ट्री नी उमंत्री को त नास न मो सी फो स्व मी फल
ल वा नम ॥२॥ वाता ही सर्प पा ताल याप्ते नम - २॥ वी स्व धू ची ता यी प्ते नमो
॥२॥ मा क्ष र ढा का मा ती फल त्रो प्ते नम - २२॥ माहा मी ढो ग्रा नम ॥२॥ ढो ग्प पी
या पत ज्जे प्ते न द्वे त्रनम ॥२॥ मन्त्रो त्ती या प्ते ॥२॥ प्रत्य दे वी तीनम ॥२॥ मा
तॉका नम ॥२॥ भद्रा का नम ॥२॥ हस्त स्वा यी ॥२॥ वज्र वी पक ना चपी न

मं ॥२॥ ध्वजो हिंसा कल्प वृद्ध स्वाहा - धार राज - १००० ओम्त्र सतु नास ग्ने मंत्र आ

मं॥२॥ ह्यग्रीवाय सर्वसिद्धिं कुरु स्वाहा - धारजाप - १००० ओमन्त्र सतुनासग्रने मंत्र जा
पतदोतदीन चागको सीन्मगा धग गाकुतसीपाक पुतीवोतीतप्पजपुनाफ्ले
सीक्मा धगुद्रोपा तधाप्ने गाकुतसीपाक्म आपोतापासतुधाहेसफुनावीप्रेगु
पापू गामुडादेवीतमस्मापद्धाम३ प्रपेतीदेवीतिससाकागवेगतवीदो
नत्तगरक्मानउनडामाहावसादृतीनमक्मनउजोगीनीतक्मामा
तीदेवीतमक्मत्रतीवेद्रमारानीदेवीतमसक्मारनउसातनमाहातो
जोगीनीदेवीतरामक्मानदस्वींनवानाडीदेवीनमसक्मारपेरवापु
नमसक्मारद्रद्रजोगीनीदेवातीक्मोनमसक्मारद्रुरमाहादेवक्मोनम
सक्मार —

३नमश्रीमंद्रायसीद्धीगुरुआज्ञा ३नमोराजयतीवृषदीद्रानीतीघन
यक्षादृसगानीज्ञानीदृतधीनमासगुरुकनीदृक्रद्रमुकतीनीक्मसमसी
तनतनुजीगमतभगीनीधेनेसवातेद्रवादीक्मडनाकुतक्मानीनी
पुरवृतेकातेभनीकुवेनीनसवातुकतापुतीभगीनीएसातीक्मसीधी
जोगाद्रहगुरु-आग्यमाडाक्मासातीसहडागीनीउम्मोहा क्मास
धीजोगीनीद्रोगुरुतस्वाहावसूधीसहजोगीतीधीघतावक्मसीधीआजामगुरुस्वहा
पातालीमछभगीनीधेसोतीवासोधीजोगजपे —

ॐ गरु गहतीर गरु चरीनारी आवासत्ता तीर्हती मानना थसन अवा
सहा ज्ञामनीनाथा थेन रीहं फत स्वाहा — धारे — ॐ थोम्त्र आवासी
थाये गु जहनी आजावाक थेके गु हार्जेहुड ——
ॐ स्वीची गुरु गतु धीनारी आथेहं फत स्वाहा — धारजाप — ॐ थोम्त्र जह
नी थेके गु जीव हुथनेगु धारत थेगु ——
ॐ उडरु अवा सक्ता थेजनीहा ज्ञाकी सन नारीहं ती मत स्वाहा —
धारजाप — ॐ थोम्त्र मेवनम श्रु गुप्ता गुरु ती का थेया थेम्बत तम गुनी थाय
गुन केनकी गु
ॐ गरु आगमा अवं मोतन स्वाहा पी थाने स्वाहा हित स्वाहा — धारजाप — ७८
थोम्त्र नी तम्र न कोचन मगा गु ती ने के थेला सत्र हुता थाता ती न मतु
स्वाहा श्रु सी थेनी ना थवी सन थेम्बा थेसा गुरु सदा थेके मेवनम श्रु कती
काथे ती गुन
ॐ नम गरु आगम सतु आगम सत थवी द्वोपन नी थेसैनी का ती वीरी सना
मचंद्र माला गुन ची श्रप माल वी सत फत मेत्र इस सेवा नाहं फत स्वा

ठा — धारत्रप — ॐ थोम्त्र राधे समारन हरवे भनी तत सीत्रप गरीधरन

ठा-आरंभ-१ ओमन्त्र राधे समारने इरवे भनं तल सीआप गरीधरनु

३ नमः गुरु आगया कोलोवीलीलोनाडाधीनाथीतम्बल मोहा पुहि फट स्वाहा

आरंभ-१ ओमन्त्र हाकुनतलि हसा ओमन्त्र फाये गु

३ नमः गुरु आगया अधीतत्वे की री पाताल नाग पेनाथ हुं हुं फट स्वाहा

आरंभ-१०० ओमन्त्र राधे सहने फाये गु

३ नमः गुरु आगया आम्म योरी धार असाफ तहि फट स्वाहा - आरंभ - वर

ओमन्त्र मीआ बुरत साधा फे गु

३ नासीहि तं वन्दे कली प्रताप क्षमत्ताहि नत्रासन यकुनेहि तेफट

स्वाहा - आरंभ - वर ओमन्त्र आफ फे गु

३ वीत स्वाहा - आर - २२ ओमन्त्र तुंडात साहुती काफे गु

३ नकुसी धोमानी पीय फेहा ही फट स्वाहा आरंभ - २२ ओमन्त्र चकु सीप

भुनेगु गीच्छा पाता सीपन्नेगु

३ नमगुरु आगया गुरु गुरु पुरी धरी साई हि फट मडा - आरंभ - २२

ओमन्त्र डुगरने गोरखाइ छलने

ॐ नमो गुरु आणजो वा ल. घोरत चंद्रर री नसेरी कनी मशाउ स्वाहा

आरजप - २ पोमन्न नडावन गुरु मोक्ष कृतन्नु

ॐ नमो गुरु आणजो महादेवी माहादेवी गुरु गोरषना महहुमान नर

सीध्य गगडरा पारवती श्री माहादेव की वाचा कुमंत्र की वा वाहि फुरता

स्वाहा - आरजप - २ पोमन्न सपडलाइ हुनेसारनु

ॐ नमो गुरु आगमाहे ब्रह्मानी सुन गुरु आगमाहि फुरता स्वाहा - आरजप - २ पो

मन्न सीतली गोरो गंगा गुरु रेणा वेगु

ॐ नमो गुरु आणजो अधीवा तेजी पुंज धुंई फुरतस्वाहा - आरजप - ५ पो मन्न

त्रिशोलुडी के ५

ॐ नमो गुरु आणजो नदी तट अजीकनल अजीनसत अजी सीतल अनीमा ५

गु आणजो ई फुरतस्वाहा - आरजप - ५ पो मन्न सीतल अनीमा ५

ॐ नमो गुरु आणजो अगती ताडु कीलाथी की सजनेवो मेरा गुरु धामीव्यो

की नेद्रज्ञ जोगी नीपर गजो गी नी कोवी नेदेही नु अगती ताडु कीलाथी

की वी नेही ने वाहीर पधाउ नेगुरु वाचाइ स्वारी की वाचा ई फुरतस्वाहा

आरजप - २०० पोमन्न से जो रने दे व्याफी वा मोहा माहा जापगराउ हीडु

धारजाप - २०० ओमत्र से जो रमे ह्रदय धारी नामो हा साहा जाप गराइ ली ह्र
येक मन भरी राषन्ह जाप गराइ राषी पुजा गरन्ह हे भीन्ने ज
३नम गुरु आगया ई ई देवी हिं फन्त स्वहा धारजाप - १२ ओमत्र भुत्व
ठनेषन सा धाक पा क्वे वो ज
३नम गुरु आगया सी ई देवो कु मही गावीन कु ली हाड़ा मो यो क मना
गावं ली हिं फन्त स्वहा - धारजाप - १२ ओमत्र सुनान ली हि त सा पा
क्वे ज
३नम गुरु आगम ब्रह्मा वेदु माड़ा की ली हुती मा ली हिं कै फन्त स्वा
हा - धारजाप - २ ओमत्र फन्त गन ढ़ने वहो ली पा म मे मा धाने मा त सा
पा नाव ढ़े ज
३नम गुरु आगमा वत्ता सर वत्ते रवत्ते वा पुजा वा पु वी हिं फन्त स्वाहा
धारजाप - २२ ओमत्र माल झुल स्वाही धो ढ़े ज
३नी सी ते कुष आगमो जो ई जो ई जो ने जो ई ने ई जो आगम गुरु ये स्वहा - धार
जाप - २ ओमत्र षोल्ड त ढ़े ज

ॐ नमः सीधी गुरु-आज्ञा को धीनभी राघव गुरु रामलक्ष्मण को धनु
को वीनद्रीष्ठा घे गुरु रामलक्ष्मण को सतेवा चो को धार वसनी गु
रुई फुरतस्वाहा। - धारजाप - ५४ धोमन्त्र भी राउनी ती का घे गुरु ज्ञ घोगु
रु ॐ नी सीरुवदेवी का पातहिनु की ती षुरु राउनी ती तीरुं गुरु फुरु फुरु फुरु ती स्वाहा।
धारजाप - २ धोमन्त्र भी ला घे गु

ॐ नमः गुरु आगम भुत्त धी सा सीत भी ना मफुरत गुरु आगया हुं फुरु तिस्वाहा। - धार
जाप - ५२ धोमन्त्र भुत, डताउने मी त्रहे

ॐ नमः गुरु सीधी गुरु आगम सा धे नुरु आर्ड स्वातस्वातरं के सनतार
हाने गुरु फुरतस्वाहा - धारजाप - ५४ धोमन्त्र सेवा दूध गुरु पात्र डी गु
रु ॐ गुरु आगया डीं धुरु स्वाहा गभ्रातु रात स्त्री का हुके फुरु हा के फुरु हा ना चा
गुरु आगया हिं फुरु तस्वाहा - धारजाप - २२ धोमन्त्र जे ना कइया गुरु चरनु

ॐ नमः गुरु आगया मक्कर माहा का ती डी डी धरी के ना चाहिं फुरु तस्वाहा धार
जाप - २५ धोमन्त्र डी धा गुरु पा गुरु चरे माणि गु
ॐ नमः गुरु आगमा डिं धा ती नरती गासा महिं फुरु तस्वाहा धी धो नरसींग

भरसत श्री हिं चेन साहिं डाइ ना साहिं के डी सत्ती धो व्यसी मा रिहुं फुरु तस्वाहा -
धारजाप - ५२ धोमन्त्र सुरु पा गुरु चरे माणि गु

भरसतश्रीहिंचेनमाहिंडाडुनामाहिंडेजा सर्तीनोव्यसीमारिहुंफत्तस्वाहा-
धारजाप-४२ ओमंचलगरुडीगरुडरुपेगरुडरुपेगुरुलबोनधनेगुरुजीवु-
हिनमगुरुआगमाहिंसनरसींगवीरधनश्रीखंडमुलबोहिंहुंफत्तस्वा
हा-धारजाप-४३ ओमंतपीनासकुलसाग्राचेगु
ॐनमगुरुआगमानागराजाव्योधाचानागनीव्योनाआहिंहुंफत्तस्वाहा-
धारजाप-४४ ओमंचनागपागुरुलबातपातनागवलीमलास्वपेगु
ॐनमगुरुआगमासीचरवतारजलारीपारधीरीअरव्योमारीसीगहसीगड-
जानुवतासवतासवागुडुजीचामागुडुमंत्रमलास्वाहा-धारजाप-४५
ओमंत्रकाकुडुमोनतेवाश्रीमोनेगु
ॐनमगुरुआगमाव्योमंत्रीनेगुरुवामारवाचाश्रीगवाचाकेडोमा
सीघडवाबाजोरषनाथगुरुमोधारधोरीदीनुकेवाचाहुंफत्स्वा
हा-धारजाप-४६ ओमंचलेजुगुरुपागुडउडुंजुसाग्राचेगु
ॐनमगुरुआगमाडुरडागाइकेसतेवाचाश्रीगीहुंमाडेकेवाचाहुंहुं
फत्तस्वाहा-धारजाप-४७ ओमंतमस्तनीहाचेगु

ॐ नमो गुरु आगमानीला मनहो ओजानी प्रेहो वापु फ्रो सीषरट्टे फ्रन्त
स्वाहा धारजप २व ॐ वामो गुरु आगमाई थानमचे ओजीते आरा तजीते केर चमाई फ्रन्त
ठीपु —
ॐ नमो गुरु आगमा कोती काती महा काती ईवे वतीपानी स्वाहा
धारजप - २ ओम्ब नुगा नुहीपु गुरु प्रातःतजो पातो नवेगु
ॐ नमो गुरु आगमानी का प्रेमंत्रहे स्वाहा धारजप - २ ओम्ब वुपु
मास्थानावीतस्वामी गा प्रागुतोई थान मेगन प्रा हुस्वा ज्ञान प्रानावुन्नुनेगु
ॐ नमो गुरु आगमा आती स्वाहा - धारजप - २५ ज्ञान गरा नडी मीतो आती
स्वजाहुनेघ अमे तजागरहु मु मीपहा तीनु मंत्र ज्ञानु गारनु प्रो मंत्र आही
स्वजा गरनेहे
ॐ नमो श्री गुरु आगमा ज्ञाता प्रतागुहीं फ्रन्त स्वाहा - धारजप - २ ओ
मंत्र ही का प्रेगु सप्त लाहुं नेघ
ॐ नमो श्री गुरु आगमा सीं हि स्वाहु ता प्रा क्का तं जो न्या हुं फ्रन्त स्वाहा

ॐ नमसीधी गुरु आगला सीद्धि साहु तप्रसाद कुरु तजो न्यारद्धि फुरु स्वाहा
धारजप ।) थो मन्त्रती का सेगुरु जड्डता डुनेघ

ॐ नमसीधी गुरु आगला उभस्था तप्रसाद कुरु स्वाहा — धारजप ।)

थो मन्त्रती का से गु

ॐ नमगुरु आगला जो जो गुरु नाह कुमारी वेवा या सेगुरु वाचो ना
थ के जी जी डाड जा कुमारी वेवा या गुरु मन्त्र स्वाहा — धारजप २ थो
मन्त्र प्रोसु जा प्राणे पासे सुनान स्वत स्वामी सद्ध हो प्राणे गु —
ॐ नमसीधी गुरु आगला तारनी मारनी सरव दुष्ट नो वारनी गुरु नरसी
ग वीरो वा डाड स्वाहा — धारजप — ।) ॐ थो मन्त्र तार मन्त्रे गु —
श्री तीजा चौ नगती वाचो वा चौ आ भैरुं कारा वा चौ श्री गौरी पारवती
माहा देव वीरो वा डाड स्वाहा — धारजप — ।) थो मन्त्र तारी
मन्त्रे गु — — — — —

ॐ नम भगवते श्री महा माहा लीक नाथाई वास्तु तनर सीन्ह मन्त्र धा
नन्द लास्य माल भैरवी भीडी ली डि फट स्वाहा — धारजप — २ थो मन्त्र त
पाप्रे का त सा प्राड कन्नी डाल पैक प्रके सुभद्रा पेवो क सीनी घात दुष्ट प्रेगुरु

ॐ घा ३ गरु आगया ॐ घा ३ वंडड़ा आगया तं - धारजाप - ८) ओमचन्द्रदेवीप्रसाद के गु
ॐ घा ३ गरु आगया ॐ घा ३ वीमलसवफडोधार टीकू वैपाके उ गरु
घा मधर घेई फुतस्वाहा - धारजप - ३व ओमचन्द्रतापेप्रसाद के गु ——
ॐ आमलपेर आजाहीं फुतस्वाहा - धारजप - २प ओमचन्द्रतीकापे
ग्रतजोपालतीन के डापाप्राना मसेंडा पेधरुपधनाधरमाप्रेतस्वाहा
पाप्रेगु —— ——
ॐ नामगरु आगयाहीवीडालाहीहीहीं फुस्वाहा - धारजप - ३२ थी
मचन्द्रजावीडापलपेधरुपधनेतीकापेगु —— ——
ॐ नमगरु आगया वंवीनाथेकासक्षीखड़ीतापेड़ फुतस्वाहा - धार
जाप १२ - ओमचन्द्रथुथीपेगु ——
ॐ स्रीधीगरु आगया वड़रभेतमारैनन्नरभेतमारैघातभेतमारैडीगी
नीसिंघीकोभेतमारैभुतजीसायकोभेतमारैजीमीनीमारैधी
थीवीमानफुतानाथोभीरतमारैसतेगरुकोवाचाहैंगरुकी
वाचाहैंफुतनौउसतीदेवताकोवाचाहैंफुतस्वाहा - धारजाप - ?
ओमचन्द्रदेवीपेनहाप्रानपेगु

ॐ नमगरु आगया अगीनीवीतालप्रहराहीकं मड़ूरवीरामेराम

ॐनमोजी आपणा अगीनीवीतालप्रहराजीन्कु भइरवी रामेराषु
खेडकातीकाढेवीयामेराषमँढीयीराधातीराषनुहिन्कुमान गा
फलमढ़ पेक्कवाचाईया यातीनवाचा फुमंत्रकोवाचाहिफत
स्याहा -धारजाप -चर ओमयचटमा अगीनीतगमचटमा फुडागु
रीयोभनेअगीनीडाहिमासेडाहुध

ॐनमोगड़ुपेत ॥२॥सुरजेनम ॥२॥अधोतीनम ॥२॥स्वयमपेनीअ
सीत ॥२॥फितवापेनम ॥२॥पीडीतीडमीतफितविसनम ॥२॥फु
महीफुमढ़हाचासनमि ॥२॥माहाहीसेधाहीफलधाम ॥२॥हिफत
स्याहा -धारजाप -२५ओमनमुसानमासनु भेराउने -गीतधवीफु
रीमुसीनमागाडीनुनासदुनेध

ॐमरी आगमसेंडी मेंढीकधाछास्याहा ॐमगुरुजी आगमनीथी
फलपाचसीचसीहोमफलस्याहा -धारजाप -५००८ ओमन
मनुजारामोनीदेनीआसीडागुपाहीथुंपाभोगुपाहीस्वमोहथु
गुनकीतानाथीपेगुरुमनुनासदुडे

ॐ ह्रीं ह्रीं श्रीं तीर्थंकर जीउत्ता को ह्रीं श्रीं तीर्थंकर स्वाहा - धारजाप
५००-२० धोम नवकोरा को वो तमा तीर्थंकर देवेन्द्र सक्र नासहि छ -
किसी को ती की वा ही मुड़ का ती माछा की ती कि ती के धर ती के मन
के की मा या कुन्देव की वा त्रा - धारजाप ६ धोम चौबीस को
फुल्ला तीन उत्ता मा ले तन्दुक्य मी अलिघ पाड़या गा की स्वपु न तथा छ
यो ड़ी मे मा ये ड़ु पुड़ा ण ला ड़ पुरी वं पुरु षे छ गौ त क्ष ला मी छ ड़ो ड़ु
ॐ श्री ऋषभ वाच्चा ई जी नि ना थ की सहाती महा सारा गा वी र नही
ऋषभ नि नाथ के नवो ग्री सहाती मेरा सकु मारे भा मी उ कड़ी डो म
फुल्ला ती उड़ की वा चा डो म फुल्ला स्वाहा - धारजाप ६ धोम नवो क्ष री
ला ड़े ड़ु वो क्ष री क्षा मे छ पे के ड़ु
ॐ नम ड़ु भा ण छे मा ल को छे मा ड़े वी डी ड उ ड़ु त भा ग्या डी ड उ ड़ु
पा नी ची डु पा नी डी ड वा ड़ु मा छ नी सुर डा ले मा री छ क री डा छ
मी मे ई द्रा ती मई ना ड ती ड़ र गा ड ती की वा चा ड़ु मि त्र की वा चा

ई फुल्ला स्वाहा - धारजाप - २ धोम ग्रस्वमेधी ड़ु गनकी ना थे

ॐ फट्-स्वाहा - धारजप - २ ओमनः स्वमोर्थु गुरुनकीतासे
गुरुरा योनधानी धासीतासे गु ——— ——— ———
ॐनमगुरु-आगपानतीपातदुनीसीआपसामुनुनीदुनीसीत
कातर्हि - धरेजाप - २ ओमन्त्र माक्ष धर्मुनाशुवायदेदेवा
ओफातक्करषी पतन्त्र धोपेदेहेनवीपूजीवगु ———
ॐहुंहुंहुंहुंहुंहुंहीहुंहीहुंफट्स्वाहा - धारजप - पर ओमन्त्र मधाम
पातपेपेकावीपेगुमंत्र ———
ॐनमगुरु-आगपेजहीहुंहीपेतुंआनाहाहाहीदीकुंहैफट्स्वा
हा - धारजप - पर ओमन्त्र मेपीनसेजीतमीक्षहपातसाजीसेनधार्पेगु
ॐनमभीरगुरुधासीनद्रगुतीस्तुमाहीडीतकुमारीसारीव्रज
नोजीनीमाहारधेवरररधेहेरारधेगुरुक्केवाचाआगधाहिंहीफट्
स्वाहा - धारजप - पर ओमन्त्र महनीपागुरुधस्तीकुस - स्तो
मुहता - तारीस्तो - भजीमुधा - पुडापूनामहनीफटपेगु

ॐ नमः गुरु आज्ञा को ती गाई मा को ती साध्ह गुरी गरीहा गाई मा
इ़ पासा माइ माहा देव को नाको अना फुल्ल महनी स्वामी
सानु कुर्तना ता को मी इ़ वाहा धर धरी कामी गुरु माहा देव पासा
भइ माइ़ जोर छनाथ हुन मीनको नाथ पोत्र हुँ फट् स्वाहा - धा
रजप - ६ ओम्न महती़ पो़ गुरु मत्स्येन्द्र को पा पाइ मा पा़ जा क पा़
ॐ हुन ॥२॥ तीं मी महा पा़ ॥२॥ पो ॥२॥ ती ॥२॥ नी ॥२॥ हौं हौं फट् स्वाहा - धारज
प - ७००० ओम्न ह पसी हुनी हुनी जप पा ना स्वयं पा़ ना मक्क पा़ जप धार
पा़ ना स्वयं पा़ ते ष्का को सी द्धा पे भुनेतो ॐ ध सँ ध हुँ पा ना ल पो़ ह
ॐ नमः गुरु आज्ञा देव की वा मा गुरु धा चा भगवती हुँ फट् स्वाहा
धारजप - २० ओम्न बोल सी मा रमे आसो त को को ह
ॐ नमः गुरु स्न वा मा गुरु ह ध स्नाता मता को सी सधीता को वा चा हुँ
फट् स्वाहा - धारजप - ५२ ओम्न बोल सीहा ने पा़ पे आसो त
न को ह्न को ह हुनी गोलन क पा़ को ह

ॐ नमः गुरु हुँ ही ॐ हुँ हुँ ही ॐ हुँ ही हुँ फट् स्वाहा - धारजप - ३ -

ॐ नमः अङ्गुष्ठी ॐ तुरु अङ्गुष्ठी ॐ तुरुष्ठी ॐ तुरुष्ठी फट् तस्याहा - धारजप - ३ -
पेसैमंत्र अजलामश्री हीतारेलानु हमवपे ७०० डोरे - - -
ॐ नमः गुरु आगपापा मीधारनी धूजाजोगीनी भक्कपुरु मीहावि
र्धावनहाकुरु तुरुष्ठी तुरुष्ठी फट् तस्याहा - धारजप - १२ भोम
वेन चीडावमीसाधाप तासीगुजी आसनधानदाङ्ग मीमुखमीसाधपे
मीसाधानामक्काधेहानीधसत्तन गोनेमातामधीमुक्केमीसाधव
स्माधाधेगुरु - - -

तामीनाथेकुमनाराधीदेउतापुत्रागरन्तुसत्रुभसमहंतेछ

तामीना घेकमनाराखी देउलापुकागरुडसयुभसमहंतेक —
ॐनमगुरुआणासयसतीनीगुरुकेसेवायाग्रहाहेस्यमातके
तेतोतेवायामाहाहन्तकोवायागुरुमंत्रकीस्याहा — धार
जप — वप घोमन्त्रराधेसाक्षाकेगु ——
ॐनमगुरुआणाश्रवकासकासैहे ई चंदसुरजोपरतालकातो
नागकोथीकुलीमीमाईपेकैनरसींगजपेवहिंदरा — धार
नवइवोकसीनोढ़ाकेजीउढ़वाइसतेमछसानवइगुवो
कसीनोढ़ाकेमाछसानवइगुवीरामीपातलारासतमाहेसपा
पाचेधमनाजाक्षीकातसपातलचेगुरुधमनाजाक्षीनोपातलगुरु
धमनागनेसपातलचेगुरुकुहीभागपानापुत्रापाचेगुरुकीसेवा
पाहमनोढ़इधवापाचेकुइधमनतुनाघोजुइगु ——

ॐ नमो भगवते श्री पार्श्वनाथाय सर्व विघ्न विनाशनाय सर्व मनोवांछित पूरणाय चिंतामणि पार्श्वनाथाय सर्व भूत प्रेत पिशाच राक्षस डाकिनी शाकिनी यक्ष यक्षिणी गंधर्व किन्नर किंपुरुष महोरग गरुड़ सुपर्ण विद्याधर चारण भाट नट विट कुष्मांड ब्रह्मराक्षस वेताल भैरव क्षेत्रपाल आदि सर्व दुष्ट देवानां सर्व दुष्ट ग्रहाणां सर्व दुष्ट जनानां सर्व दुष्ट भूतानां सर्व दुष्ट प्रेतानां सर्व दुष्ट पिशाचानां सर्व दुष्ट राक्षसानां सर्व दुष्ट डाकिनी शाकिनीनां सर्व दुष्ट उपद्रवाणां सर्व दुष्ट व्याधीनां सर्व दुष्ट विषम दुष्ट भयानां सर्व दुष्ट शत्रूणां सर्व दुष्ट रोगाणां सर्व दुष्ट ज्वराणां सर्व दुष्ट शूलानां सर्व दुष्ट अपस्मारकाणां सर्व दुष्ट अक्षिरोगाणां सर्व दुष्ट शिरोरोगाणां सर्व दुष्ट कुक्षिरोगाणां सर्व दुष्ट कुष्ठरोगाणां सर्व दुष्ट कंडूरोगाणां सर्व दुष्ट कर्णरोगाणां सर्व दुष्ट मुखरोगाणां सर्व दुष्ट दंतरोगाणां सर्व दुष्ट नखरोगाणां सर्व दुष्ट हृदयरोगाणां सर्व दुष्ट पार्श्वरोगाणां सर्व दुष्ट पृष्ठरोगाणां सर्व दुष्ट कटिरोगाणां सर्व दुष्ट गुह्यरोगाणां सर्व दुष्ट जानुरोगाणां सर्व दुष्ट जंघारोगाणां सर्व दुष्ट गुल्मरोगाणां सर्व दुष्ट पित्तरोगाणां सर्व दुष्ट वातरोगाणां सर्व दुष्ट कफरोगाणां सर्व दुष्ट सन्निपातरोगाणां सर्व दुष्ट वेदनानां सर्व दुष्ट विसूचिकानां सर्व दुष्ट प्रतिश्यायानां सर्व दुष्ट अष्टादशकुष्ठ सप्तशतक्षुद्र पंचविंशति महारोगाणां सर्व दुष्ट चोरभयानां सर्व दुष्ट शस्त्रभयानां सर्व दुष्ट अग्निभयानां सर्व दुष्ट जलभयानां सर्व दुष्ट सर्पभयानां सर्व दुष्ट गजभयानां सर्व दुष्ट सिंहभयानां सर्व दुष्ट व्याघ्रभयानां सर्व दुष्ट राजभयानां सर्व दुष्ट परचक्रभयानां सर्व दुष्ट अशिवानां सर्व दुष्ट उपसर्गाणां सर्व दुष्ट अकालमृत्यूनां सर्व दुष्ट दुर्भिक्षाणां सर्व दुष्ट अनावृष्टीनां सर्व दुष्ट अतिवृष्टीनां सर्व दुष्ट दुर्गंधानां सर्व दुष्ट दुर्वर्णानां सर्व दुष्ट दुर्भगानां सर्व दुष्ट दुर्यशसां सर्व दुष्ट दुर्वचसां सर्व दुष्ट दुर्नामानां सर्व दुष्ट दुर्लक्षणानां सर्व दुष्ट दुर्निमित्तानां सर्व दुष्ट दुर्मुहूर्तानां सर्व दुष्ट दुःस्वप्नानां सर्व दुष्ट दुरिष्टानां सर्व दुष्ट दुर्ग्रहदुर्भूतदुःस्वप्नदुर्लक्षणदुर्निमित्तदुर्मुहूर्तदुःशकुनदुर्जातदुर्योगदुरारिष्टदुर्नक्षत्रदुर्ग्रहोपशमनाय सर्व दुष्ट दुरितदुर्वृत्तदुर्वचनदुर्विचारदुर्भावदुर्ध्यानदुर्भाग्यदुर्गतिदुर्बुद्धिदुर्जातिदुर्वर्णदुर्वपुर्दुरवयोदुष्कुलदुष्कर्मदुष्कृतदुष्टकर्मदुष्टकृतदुष्टकर्मफलदुष्टकृतफलदुष्टकर्मविपाकदुष्टकृतविपाकदुष्टकर्मफलविपाकदुष्टकृतफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलदुष्टकृतविपाकफलदुष्टकर्मविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफलविपाकदुष्टकर्मविपाकफलविपाकदुष्टकृतविपाकफल

पा अमलात्मोहा भारजा - इ आमत्रसराजामहनीघाशें

उसमान

अनमडेआगमराहुवाघुइतवाघुहिकातास्याहा - भारजा -?

भोमवरहुतटोगघाडु

ASHA ARCHIVES
710
Public Health